

भारतीय ज्योतिषीय भाषा का आधार संस्कृत



अंततः ज्योतिषीय भाषा एक ऐसा सूक्ष्म सेतु है जो अनंत आकाश में घूमते ग्रहों की अस्पष्ट गूँज को मनुष्य के हृदय की धड़कन से जोड़ देता है। यह भाषा भविष्य नहीं बनाती, पर मनुष्य को भविष्य का सामना करने योग्य बनाती है। यह भाग्य नहीं बदलती, पर दृष्टि अवश्य बदल देती है। यही दृष्टि आगे चलकर व्यक्ति के जीवन का मार्गदर्शन बनती है। शब्दों की इसी परिवर्तनकारी शक्ति के कारण ज्योतिष केवल विज्ञान नहीं, बल्कि मनुष्य और ब्रह्मांड के मध्य संवाद का आध्यात्मिक पुल है—एक ऐसा पुल जो तब तक जीवित रहता है जब तक मनुष्य प्रश्न पूछता है और आकाश में तारे चमकते हैं।

ज्योतिषाचार्य
तेजस्कर पाण्डेय

ज्योतिष केवल ग्रहों और नक्षत्रों की स्थिति का गणितीय विश्लेषण भर नहीं, बल्कि मानव जीवन की संवेदानत्मक और सांस्कृतिक यात्रा का आध्यात्मिक सहयात्री है। इस सहयात्री में शब्द सबसे विश्वसनीय पुल हैं—एसे पुल जो आकाशीय गतिवृत्तों की अमूर्त भाषा को मानव मन की अनुभूतियों, आशाओं, अपेक्षाओं और आकांक्षाओं में रूपांतरित करते हैं। इसलिए ज्योतिषियों की भाषा केवल अन्वय, संकेत या व्याख्या का माध्यम नहीं रहती, बल्कि वह एक जीवंत अनुष्ठान की तरह मनुष्य के भीतर विश्वास, स्थिरता, साहस और समाधान का संचार करती है। ज्योतिषीय संवाद का प्रत्येक शब्द एक अर्थ-विश्व रचता है, जिसमें गणित, मिथक, मनोविज्ञान, दर्शन, संस्कृति और आध्यात्मिकता एक साथ गूँधकर चलते हैं; इसलिए ज्योतिषीय भाषा वस्तुतः ज्ञान का जीवित रूप है, न कि केवल व्याकरणिक वाक्य।

ज्योतिष के शब्द अपने भीतर गणित से अधिक आध्यात्मिक, मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक भार लिये चलते हैं। जब एक भारतीय ज्योतिषी कहता है कि शनि आपको कर्म-परीक्षा ले रहे हैं, तो यह वाक्य व्यक्ति को भयभीत करने के लिए नहीं बल्कि उसके भीतर धैर्य, अनुशासन और सहनशीलता की शक्ति भरने के लिए कहा जाता है। जब वह कहता है कि बृहस्पति का आशीर्वाद आपके जीवन में विस्तार और कल्याण लाएगा, तो यह केवल ग्रह की स्थिति का वर्णन नहीं, बल्कि मनोबल, उत्साह और सकारात्मक ऊर्जा का संचार है। यहाँ शब्द मनुष्य की मानसिक प्रकृति में एक विशेष प्रकार की अर्थ-उपस्थिति उत्पन्न करते हैं। यह उपस्थिति ही विश्वास का आधार बनती है।

पश्चिमी ज्योतिष में शब्दावली का स्वर मनोवैज्ञानिक है। वे ग्रहों को आर्कटाइप के रूप में प्रस्तुत करते हैं। उदाहरणार्थ, शनि अंदर छिपे शिक्षक, प्लूटो परिवर्तन और पुनर्जन्म का दूत, नेपच्यून कल्पना, रहस्य और अंतर्ज्ञान का समुद्र, तथा मंगल साहस और संघर्ष का प्रतीक कहा जाता है। भाषा प्रेरक और आत्म-खोज की ओर उन्मुख होती है। यहाँ ज्योतिषी यह कहते हैं कि यह गोचर आपको अपने भीतर के सत्य से सामना कराएगा, या यह समय आपके आत्मिक उद्देश्य को उजागर करेगा। इस प्रकार की भाषा व्यक्ति को स्वतंत्रता, आत्मनिर्णय और मनोवैज्ञानिक परिपक्वता की ओर प्रेरित करती है।

भारतीय और पश्चिमी ज्योतिष दोनों ही प्रतीक और रूपक का व्यापक प्रयोग करते हैं। रूपकों की यह शक्ति अमूर्त को मूर्त, असंग्रहणीय को संग्रहणीय, और अज्ञेय को ज्ञेय बना देती है। उदाहरणतः भारतीय ज्योतिष में चन्द्रमा को मन का स्वामी, सूर्य को आत्मा का प्रतीक माना जाता है। भारतीय और पश्चिमी ज्योतिष दोनों ही प्रतीक और रूपक का व्यापक प्रयोग करते हैं। रूपकों की यह शक्ति अमूर्त को मूर्त, असंग्रहणीय को संग्रहणीय, और अज्ञेय को ज्ञेय बना देती है। उदाहरणतः भारतीय ज्योतिष में चन्द्रमा को मन का स्वामी, सूर्य को आत्मा का प्रतीक माना जाता है। भारतीय और पश्चिमी ज्योतिष दोनों ही प्रतीक और रूपक का व्यापक प्रयोग करते हैं। रूपकों की यह शक्ति अमूर्त को मूर्त, असंग्रहणीय को संग्रहणीय, और अज्ञेय को ज्ञेय बना देती है। उदाहरणतः भारतीय ज्योतिष में चन्द्रमा को मन का स्वामी, सूर्य को आत्मा का प्रतीक माना जाता है।



धन के सुचारु प्रवाह के लिए तिजोरी की सही दिशा

घर में धन की स्थिरता, सेविंग की क्षमता और आर्थिक उतार-चढ़ाव पर वास्तु शास्त्र का असर होने की मान्यता एक बार फिर चर्चा में है, खासकर तब जब कई परिवार यह दावा कर रहे हैं कि तिजोरी या लॉकर की गलत दिशा उनके खर्च बढ़ा देती है और सही दिशा उन्हें आर्थिक संतुलन देती है। वास्तु के अनुसार, घर में तिजोरी की सही दिशा सिर्फ फर्नीचर प्लेसमेंट नहीं बल्कि एक ऊर्जा विज्ञान का हिस्सा है, जिसके मुताबिक उतर दिशा को धन के देवता कुबेर की दिशा कहा गया है और यह दिशा अवसरों, आय-स्रोतों तथा आर्थिक वृद्धि की प्रतीक मानी जाती है।

सुख-शांति के लिए करे संकष्टी चतुर्थी का व्रत

हिन्दू धर्म में भगवान गणेश को विघ्नहर्ता और प्रथम पूजनीय देवता माना गया है। किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत उनसे ही होती है और उनका आशीर्वाद जीवन की बाधाओं को दूर कर सुख-शांति प्रदान करता है। संकष्टी चतुर्थी उन्हीं की आराधना के लिए समर्पित एक अत्यंत महत्वपूर्ण व्रत है, जो हर महीने कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाता है। पौष माह में पड़ने वाली यह संकष्टी चतुर्थी विशेष फलदायी मानी जाती है। वर्ष 2025 में यह पावन तिथि दिसंबर के दूसरे सप्ताह में पड़ रही है। इस अवसर पर श्रद्धालु व्रत, पूजन और चंद्रोदय दर्शन के माध्यम से अपने जीवन में सकारात्मकता और समृद्धि की कामना करेंगे। आइए पौष महीने की संकष्टी चतुर्थी की सही तिथि, पूजा विधि, शुभ मुहूर्त और महत्व को विस्तार से समझें।



पौष माह की संकष्टी चतुर्थी को विशेष फल देने वाली मानी गई है क्योंकि इस समय से शीत ऋतु का प्रभाव बढ़ता है और धार्मिक दृष्टि से यह काल पुण्यदायक होता है। व्रत का महत्व पुराणों में वर्णित है कि संकष्टी चतुर्थी का व्रत करने से व्यक्ति के जीवन में धन, बुद्धि और स्वास्थ्य की वृद्धि होती है। संतान इच्छा रखने वाले दंपतियों के लिए भी यह व्रत विशेष लाभकारी माना गया है। इस दिन भगवान गणेश की कृपा से— कठिन कार्य सरल बनते हैं।

पूजा विधि विस्तार
 ▶ ब्राह्ममुहूर्त में उठकर स्नान करें शरीर और मन को शुद्ध करके व्रत का संकल्प लें। स्वच्छ और धुले हुए कपड़े पहनें लाल रंग के वस्त्र को गणेश पूजा में विशेष शुभ माना जाता है।
 ▶ गणेश जी की मूर्ति या चित्र को साफ स्थान पर स्थापित करें।
 ▶ फूलों और दीप से सजाकर एक पवित्र वातावरण बनाएं। रोली, अक्षत, फूल और जल अर्पित करें।
 ▶ भगवान गणेश को सिंदूर चढ़ाना भी अत्यंत शुभ माना गया है।
 ▶ मोडक और तिल के लड्डू का भोग लगाए माना जाता है कि यह गणेश जी का प्रिय भोग है और प्रसन्नता का प्रतीक है।
 ▶ संकष्टी व्रत कथा का पाठ करें कथा सुनने या पढ़ने से व्रत पूर्ण और फलदायी माना जाता है। चंद्रोदय से पहले आरती करें।

सूर्योदय के बाद और दोपहर में सोना क्यों माना जाता है अशुभ?

भारत में शास्त्रों और ज्योतिष मान्यताओं का प्रभाव आज भी जीवनशैली, दिनचर्या और आदतों पर गहराई से देखा जा सकता है। इन्हीं मान्यताओं में से एक है—सोने-जिने के शुभ और अशुभ समय का महत्व, जिस पर सोशल मीडिया और हेल्थ कम्युनिटी में एक बार फिर चर्चा तेज हो रही है। पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार, सूर्योदय के बाद देर तक सोना न सिर्फ अशुभ माना गया है बल्कि यह व्यक्ति के स्वास्थ्य, धन, मानसिक ऊर्जा और जीवन के अनुशासन पर नकारात्मक असर डालता है। शास्त्रों में स्पष्ट उल्लेख मिलता है कि जो लोग सूर्योदय के बाद भी सोते रहते हैं, उनसे देवी महालक्ष्मी रूठ जाती हैं क्योंकि यह समय परिश्रम, ऊर्जा और नए दिन की शुरुआत का प्रतीक माना गया है। सुबह की पहली किरण को ब्रह्ममुहूर्त माना जाता है। लोक विश्वास कहता है कि इनका प्रकट होना आर्थिक हानि, घर की सेहत को खतरा और नकारात्मक बदलाव का संकेत हो सकता है। भौतिक रूप से भी टर्माइट्स घर की लकड़ी और सामान को नुकसान पहुंचाते हैं, इसलिए इनसे सतर्क रहना जरूरी है। विशेषज्ञ कहते हैं कि पारंपरिक मान्यताओं को मानना गलत नहीं, लेकिन घर में सफेद चींटियों के दिखते ही तुरंत पेस्ट कंट्रोल कराना आवश्यक है। वहीं काली चींटियों की संख्या बढ़ने पर भी घर की सफाई-सफाई और किचन के प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए। लोक मान्यताओं की अपनी अहमियत है, पर विशेषज्ञ मानते हैं कि इनका असर व्यक्ति की सोच पर ज्यादा होता है। पॉजिटिव संकेत से आत्मविश्वास बढ़ता है तो नेगेटिव संकेत चिंता भी बढ़ा सकते हैं, इसलिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना बेहतर है।



का विस्तार माना जाता है और इस समय जानना शरीर, मन और विचारों की शुद्धि का माध्यम समझा गया है। पारंपरिक मान्यता कहती है कि जो लोग आलस्यवश सुबह देर तक सोते रहते हैं, वे धीरे-धीरे मानसिक तनाव की गिरफ्त में आने लगते हैं, उनका आत्मविश्वास घटता है और उनमें निर्णय क्षमता कमजोर होती है। माना जाता है कि ऐसे लोगों की आर्थिक स्थिति भी अस्थिर रहती है, क्योंकि लक्ष्मी की कृपा बिना परिश्रम और अनुशासन के प्राप्त नहीं होती। वहीं वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी देखा जाए तो सूर्योदय के बाद सोना स्लीप-साइकिल को बिगाड़ देता है, जिसके चलते शरीर की जैविक घड़ी असंतुलित हो जाती है और इससे ऊर्जा में कमी, सिरदर्द, आंवश्यक है। वहीं काली चींटियों की संख्या बढ़ने पर भी घर की सफाई-सफाई और किचन के प्रबंधन पर ध्यान देना चाहिए। लोक मान्यताओं की अपनी अहमियत है, पर विशेषज्ञ मानते हैं कि इनका असर व्यक्ति की सोच पर ज्यादा होता है। पॉजिटिव संकेत से आत्मविश्वास बढ़ता है तो नेगेटिव संकेत चिंता भी बढ़ा सकते हैं, इसलिए संतुलित दृष्टिकोण अपनाना बेहतर है।

चींटियों की चाल से भविष्य का अंदाजा? लोकमान्यताओं में काली-सफेद चींटियों की अहमियत

घरों में दिखने वाली चींटियों को लेकर लोकधारणाएँ आज भी काफी प्रचलित हैं। खासकर काली और सफेद चींटियों को लोग शुभ-अशुभ संकेतों से जोड़कर देखते रहे हैं। भारत में कई परिवार आज भी चींटियों की गतिविधियों को संकेत के रूप में देखते हैं। लोक मान्यताओं के अनुसार, काली चींटियाँ घर में धन आगमन का संकेत मानी जाती हैं। खासकर यदि वे मंदिर या पूजा स्थल



के आसपास दिखें, तो इसे सकारात्मक माना जाता है। इसके उलट, सफेद चींटियाँ यानी टर्माइट्स को हानिकारक

राशिफल

सप्ताहिक ग्रहस्थिति- इस सप्ताह सूर्य वृश्चिक राशि में, मंगल वृश्चिक राशि में ता. 7 को 8.0 रात से धनु राशि, बुध वृश्चिक राशि में, वक्रो गुरु कर्क राशि में, शुक वृश्चिक राशि में, शनि मीन राशि में, राहु कुम्भ राशि में, केतु सिंह राशि में और चन्द्रमा मिथुन कर्क सिंह और कन्या राशि में संचरण करेगा।
ग्रहयोगों का प्रभाव- इस सप्ताह ता. 7 को धनुषे मंगल के प्रभाव से वायदा एवं हाजर के व्यापारी तेजी का लाभ लेंगे। रेशम, सरसों, तिल, तेल, लाल मिर्च, हींग, चना, चावल आदि अनाज, चांदा, सोना, तांबा आदि धातु एवं शोहर बाजार में तेजी आयेगी। रूई, सूत, कपास, में पहले मंदी होकर बाद में तेजी रहेगी।
पूर्व-व्रत-त्यौहार: सोमवार 08 दिसम्बर को शुकवार 12 दिसम्बर को संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत रुकमणी अष्टमी, अष्टका श्राद्ध

मेघ	जिद में आकर गलत फैसला लेने से बचें, उच्च अध्ययन में सफलता मिलेगी, जिस योजना को लेकर काफी समय से प्रयास कर रहे थे, उसे अंजाम तक पहुंचाने में सफलता का योग है। नौकरी में स्थान बदलने का मौका मिल सकता है, घूमने फिरने के बहाने रिश्तेदारी में जा सकते हैं, उन्नति की संभावना है, वैवाहिक चर्चाओं में सफलता मिलेगी।
वृषभ	भाग्य अनुकूल बना रहने से मुश्किल कार्य भी आसानी से बनेगा, अपनी मंजिल तक पहुंचने के लिये अपने जितनी मेहनत की है, उसका लाभ मिलेगा, वैभव विलासिता पर खर्च होगा, जो लोग आपको नकारा समझते हैं, वे भी आपकी कारकलियत की तारीफ करेंगे, सरकारी मामलों में कुछ विलंब हो सकता है, सोद के मामले सुलझेगा।
मिथुन	अपनों के व्यवहार से खिन्नता होगी, घरेलू मामलों में विपरीत स्थिति का सामना करना पड़ेगा, सप्ताह के प्रारंभ में महत्व के कार्य करने की बजाय, रोजमर्रा की दिनचर्या ही निभाने का प्रयास करें, व्यवसाय में आप किसी अपरिचित पर अत्यधिक विश्वास न करें, स्वास्थ्य नरम गरम रहेगा, आप बच्चों के लिये कुछ हद तक परेशान रह सकते हैं।
कर्क	आप खुशी के समाचार सुनेंगे, परिवार की सुख सुविधाओं का ध्यान रखें, अयात निर्यात के बड़े व्यवसाय में लाभ होगा, बेरोजगारों को रोजगार मिलेगा, प्रापटी संबंधी विवाद हल होगा, सप्ताह के अन्त में आपके निकटस्थ विरोधी कई मुसीबतें खड़ी कर सकते हैं, शोष समाधान होगा, कामकाजी महिलाओं को परेशानी हो सकती है। कारोबारी यात्रा हो सकती है।
सिंह	हंसी खुशी का वातावरण रहेगा, आपकी नौकरी की तलाश खत्म हो सकती है, पेशेवर लोगों को वरिष्ठ लोगों का सहयोग मिलेगा, कारोबारी यात्राओं की अधिकता रहेगी, जल्द ही किसी बड़ी योजना को हाथ में ले सकते हैं, अपने व्यवहार और लगन का प्रयोग कर कार्यक्षेत्र में विस्तार कर सकते हैं, बोती बातों को याद करने से निजी संबंधों में कटुता आयेगी।
कन्या	आप जीवन के नये आयाम छुड़ेंगे, अपनी मेहनत और लगन के बल पर आप अपनी स्थिति में सुधार करने में सफल रहेंगे, कार्यक्षेत्र में क्रियाशील रहेंगे, खुले मन मस्तिष्क से समस्या का हल निकालेंगे, आप किसी नये अनुबंध में शामिल हो सकते हैं, जिससे मान सम्मान में प्रगति होगी, आप जिस पर अधिक भरोसा करते हैं, वही आपकी जड़ खोदने का प्रयास करेगा।
तुला	आपको नई नौकरी या नया कारोबार मिल सकता है, व्यापार के सिलसिले में यात्रा का योग बन रहा है, आपको करीबी रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा, बिखरे कार्य समेटने का प्रयास सफल होगा, संपत्ति के कार्यों में खर्च होगा, जानबूझकर की गई गलती की क्षमा मांगने में ही हित रहेगा, सप्ताहान्त में पारिवारिक सुखद योजना पर विचार होगा, वाहन चलाने में चोट लग सकती है।
वृश्चिक	अकेले काम का बोझ उठा लेने से आपको नुकसान हो सकता है, अपने सहकर्मियों या अधिनस्थों के कारण कुछ परेशानी हो सकती है, नये कारोबार की शुरुआत ठीक रहेगी, पुरानी गलती को सुधारकर आगे बढ़ें, जीवन आसान हो जायेगा, कार्यक्षेत्र में आप मुश्किलों का डटकर सामना करेंगे, सप्ताह में आपको अपने प्रयासों में अच्छी सफलता मिलेगी।
धनु	अपने आसपास का माहौल खुशनुमा पावेंगे, मेहमानबाजी में आनन्द महसूस करेंगे, आपस में आपके खुले विचारों को कोई पसंद नहीं करेगा, अतीत से वर्तमान के साथ सामंजस्य ब्रेनने की कोशिश करेंगे, शोहर में धन निवेश से परहेज करें, व्यवसाय में सावधानी बरतें, आपसी संबंधों में अनदेखी न करें, संतान की उन्नति होगी, गुमी वस्तु मिलने का योग है।
मकर	परिस्थिति के अनुकूल विनम्रता अच्छी सफलता दिला सकती है, बहसबाजी और मुंह पर बोलने की आदत पर रोक लगायें, कार्य और व्यापार को सिर्फ धन कमाने का साधन ही नहीं समझें, बल्कि प्रतिष्ठा का आधार भी मानें, सामाजिक जिम्मेदारी अच्छे से निभायेंगे, परिश्रम अधिक करना पड़ेगा, कार्यक्षेत्र में प्रभावशाली सिद्ध होंगे।
कुम्भ	कुछ अच्छे दोस्त बन सकते हैं, जो आगे आपकी मदद कर सकते हैं, घरेलू कार्यों को जिम्मेदारी से करें, टालमटोल की प्रवृत्ति का परिणाम हासिप्रद हो सकता है, घरेलू माहौल खुशनुमा रहेगा, सप्ताह के मध्य बढ़ते हुये खर्च सामने आयेगा, व्यापार की कार्य योजना का विस्तार होगा, अधिक जल्दबाजी से निर्णय न करना हितकर रहेगा, सवसंग में रूचि बढ़ेगी।
मीन	आपको अपनी अभिरूचियों व खुशियों पर ध्यान देने का अवसर मिलेगा, आप जो चाहते हैं, उसके अनुसार अपने कार्य बनाते चले जायेंगे, भाग्य भी आपकी मदद करेगा, हिम्मत और विश्वास में वृद्धि होगी, कैरियर में पहले से अच्छे प्रस्ताव मिलेंगे, आध्यात्मिक व धार्मिक कार्यों में आपकी रूचि बढ़ेगी, तबकी की ऊँचाईयों पर पहुंचेंगे, लेकिन व्यक्तिगत संबंधों को भी पूरा महत्व देंगे।